पेड़ों की कटाई में वन अधिकारियों की सहभागिता

940. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान राजस्थान सहित देश में वनों की कटाई के लिए दोषी पाए गए वन-अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या कितनी है, उन्हें क्या सजा दी गई है और उक्त अधिकारियों की मिलीभगत से वनों की कटाई को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ;

(ख) देश में राज्यवार, वास्तव में कितना वनाच्छादित क्षेत्र है और सरकारी अभिलेखों के अनुसार कितना है और क्या सरकार दोनों में व्याप्त विसंगति, यदि कोई है, को दूर करने का विचार रखती है ; और

(ग) राजस्थान में कितनी बार वृक्षारोपण किया गया और उस पर कितनी धनराशि व्यय की गई ; क्या सरकार यह पता लगाने के लिए कि वास्तव में कितने पेड़ लगाए हैं और सरकारी रिकार्ड में कितने पेड़ दिखाए गए हैं किसी दल को राज्य में भेजने और दोषी व्यक्तियों को सजा देने का विचार रखती है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री साथ में कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्रीमती मेनका गांधी): (क) भारत सरकार देश में वनों की कटाई के लिए दोषी पाए गए अधिकारियों की संख्या और दिए गए दंड का रिकार्ड नहीं रख रही हैं क्योंकि ऐसे अधिकारी संबंधित राज्य सरकारों के साथ कार्य कर रहे हैं ।

(ख) देश में दर्ज वन क्षेत्र का विवरण अनुबंध-I में दिया गया है । भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा उपग्रह प्रतिबिम्बिकी का प्रयोग कर 1985–87 की अवधि में किए गए सर्वेक्षणों के अनुसार वन क्षेत्र का ब्यौरा संलग्न विवरण I में दिया गया है । इसमें कोई विसंगति नहीं है क्योंकि सभी दर्ज वन क्षेत्र अनिवार्य रूप से वृक्षावरण युक्त नहीं होते हैं ।

(ग) राजस्थान में 1984–85 से 1988–89 तक सामाजिक वानिकी पर वर्षवार खर्च की गई धनराशि और उक्त अवधि से लगाए गए वन क्षेत्रों का ब्यौरा संलग्न विवरण-2 में दिया गया है। सरकारी रिकार्डों में दर्शाए गए वनरोपण की तुलना में वास्तव में किए गए वनरोपण का अध्ययन करने के लिए एक दल को राजस्थान भेजने का प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

विवरण I

दर्ज वन क्षेत्र और वास्तविक वन क्षेत्र

क्रम सं०	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	दर्ज वन क्षेत्र (वर्ग कि० मी०)	वास्तविक वन क्षेत्र (वर्ग कि० मी०)
1	2	3	4
1.	आन्ध्र प्रदेश . . .	63771	47911
2.	अरुणाचल प्रदेश . . .	51540	68763
3.	आसाम . . .	30708	26058
4.	बिहार	29227	26934
5.	गोवा (दमन दीव सहित) . .	1250	1302

1	2	3	4
6.	गुजरात . . .	19320	11670
7.	हरियाणा . . .	1699	563
8.	हिमाचल प्रदेश . . .	21325	1337
9.	जम्मू और काश्मीर . .	20900	20424
10.	कर्नाटक . . .	38645	32100
11.	केरल	11218	10149
12.	मध्य प्रदेश . . .	155414	133191
13.	महाराष्ट्र . . .	64055	44058
14.	मनीपुर . . .	15154	17885
15.	मेघालय	8514	15690
16.	मिजोरम . . .	15935	18178
17.	नागालैंड . . .	8625	14356
18.	उड़ीसा	59555	47137
19.	पंजाब . . .	2833	1161
20.	राजस्थान . . .	31290	12966
21.	सिक्किम . . .	2650	3124
22.	तमिलनाडु . . .	22379	17715
23.	त्रिपुरा . . .	6298	5325
24.	उत्तर प्रदेश . . .	51337	33844
25.	पश्चिम बंगाल . . .	11879	2394
26.	अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह .	7171	7624
27.	चण्डीगढ़ . . .	--	8
28.	दादरा और नगर हवेली . .	206	205
29.	दिल्ली	--	22
30.	लक्षद्वीप . . .	--	--
31.	पांडिचेरी . .	--	--
	कुल:	752888	640134

विवरण—2

राजस्थान में सामाजिक वानिकी के संबंध में वास्तविक एवं वित्तीय उपलब्धियां

क्रम सं.	वर्ष	खर्च की गई राशि (लाख रुपयों में)	वृक्ष लगाया गया क्षेत्र (हेक्टेयर में)
1.	1984–85	1,880.00	57,647.00
2.	1985–86	1,536.80	47,900.00
3.	1986–87	3,376.13	67,051.00
4.	1987–88	2,847.84	58,693.00
5.	1988–89	3,202.00	65,500.00–
	कुल :	12,842.77	296,791.00

देश में वर्षा के संबंध में भविष्यवाणी

941. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) (i) क्या इस बात को ध्यान में रखते हुए कि हमारे देश में कृषि और उद्योग मुख्यत: वर्षा पर निर्भर करते हैं, वर्षा से पूर्व उसकी भविष्यवाणी करने के लिए देश में कोई शोध-कार्य किया गया है; (ii) यदि हां, तो क्या वर्षा या बादलों को एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर मोड़ा/स्थानान्तरित किया जा सकता है और बादलों की दिशा को सूखा प्रभावित क्षेत्रों की ओर मोड़ा जा सकता है ;

(ख) आगामी वर्षा के होने से कितने समय पूर्व किसान को वर्षा के बारे में बताया जा सकता है और क्या आगामी वर्षा की मात्रा को बढ़ाया या घटाया जा सकता है; और

(ग) सरकार द्वारा वर्षा की भविष्यवाणी से संबंधित शोध कार्य पर देश में प्रतिवर्ष कितना खर्च किया जा रहा है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री साथ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (प्रो० एम० जी० के० मेनन) : (क) (i) जी हां।

(ii) जी नहीं ।

(ख) मौसम वैज्ञानिक उपमंडलों अथवा जिलों के समूहों के लिए दो दिन पूर्व भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वर्षा पूर्वानुमान किए जाते हैं तथापि, देश के लिए समग्र रूप से दक्षिण-पश्चिमी मानसून मौसम हेतु मौसमी वर्षा के लिए दीर्घावधि पूर्वानुमान सामान्यत: प्रतिवर्ष मई में किया जाता है ।

यद्यपि आगामी वर्षा की मात्रा को घटाया नहीं जा सकता तथापि वैज्ञानिक परीक्षणों ने दर्शाया है कि कुछ वायुमंडलीय अवस्थाओं के अन्तर्गत जबकि अपेक्षित प्रकार के बादल पहले ही उपलब्ध हों, आगामी वर्षा को सीमित क्षेत्रों में कुछ मात्रा में बढ़ाया जा सकता है ।

(ग) विभिन्न सरकारी अभिकरणों के द्वारा मौसम विज्ञान संबंधी अनुसंधान